**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 05-12-2025**

**नैनीताल(उत्तराखंड ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-05 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2025-12-06 | 2025-12-07 | 2025-12-08 | 2025-12-09 | 2025-12-10 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 20.0 | 20.0 | 20.0 | 19.0 | 19.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 5.0 | 5.0 | 4.0 | 4.0 | 4.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 70 | 72 | 70 | 75 | 68 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 45 | 42 | 43 | 45 | 40 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 4 | 6 | 3 | 4 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 270 | 310 | 290 | 300 | 310 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 2 | 2 | 0 | 0 |
| चेतावनी | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं |

## पूर्वानुमान सारांश:

अगले हफ़्ते बारिश होने का कोई अनुमान नहीं है, अधिकतम तापमान 19.0-20.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 4.0-5.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा से 3-6 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की उम्मीद है। अगले हफ़्ते के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और अगले हफ़्ते मौसम सूखा रहने की उम्मीद है।

## मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई खास मौसम चेतावनी नहीं।

## मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

खेती पर मौसम का कोई खास असर नहीं पड़ेगा या उससे जुड़ी कोई खास सलाह नहीं है।

## सामान्य सलाहकार:

| |
|---|
| किसान और उनसे जुड़े दूसरे लोग मौसम की रेगुलर जानकारी और बारिश के अलर्ट के लिए “मौसम” ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। मौसम और बिजली गिरने के डेटा के रेगुलर अपडेट के लिए "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे दूसरे ऐप भी उपलब्ध हैं। सभी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान से पता चलता है कि 12.12.2025 से 18.12.2025 के दौरान बारिश कम होगी और अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य रहेगा। |

## लघु संदेश सलाहकार:

| |
|---|
| आईएमडी के अनुसार, कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है इसलिए मौसम साफ़ रहेगा और सभी खेती के काम उसी हिसाब से निर्धारित किए जा सकते हैं। |

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चना | फसल की नियमित निगरानी 25-30 दिन के अंतराल पर की जानी चाहिए और फसलों में निराई-गुड़ाई का काम जारी रखना चाहिए। |
| मसूर की दाल | फसल की नियमित निगरानी 25-30 दिन के अंतराल पर की जानी चाहिए और फसलों में निराई-गुड़ाई का काम जारी रखना चाहिए। |
| रेपसीड | फसल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए और सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। अगर कीड़े लगें तो नियमित निगरानी करते रहनी चाहिए और सही नियंत्रण उपाय अपनाएं जाने चाहिए। |
| सरसों | फसल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए और सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। अगर कीड़े लगें तो नियमित निगरानी करते रहनी चाहिए और सही नियंत्रण उपाय अपनाएं जाने चाहिए। |
| गेहूँ | देर से पकने वाली किस्मों की बुवाई की जा सकती है। सिंचित तथा असिंचित वाली दोनों तरह की स्थितियों में फसल की नियमित निगरानी करते रेहनी चाहिए और सही खेती के तरीकों को नियमित अनुसरण करने चाहिए। |
| जौ | फसल में नियमित खरपतवार हटाने और गुड़ाई का काम करते रहना चाहिए। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| प्याज | प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करनी चाहिए और खेत में खाद डालनी चाहिए। |
| सब्जी पीईए | फसल की नियमित निगरानी 25-30 दिनों के अंतराल पर की जानी चाहिए और फसलों में खरपतवार हटाने और निराई-गुड़ाई का काम किया जाना चाहिए। |
| गोभी | प्रतिरोपित फूलगोभी की किस्मों में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए और नियमित रूप से निराई-गुड़ाई का काम करना चाहिए। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| भेंस | जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, सूखी घास, धान का बचा हुआ हिस्सा (पुआल) वगैरह जिनका इस्तेमाल जानवरों के चारे के तौर पर नहीं होता है, उन्हें जानवरों के शेड में बिस्तर के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। दरवाज़े और खिड़कियों को ठीक से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा जानवरों के शेड में न घुस सके। जानवरों के बैठने की जगह समतल होनी चाहिए। सलाह दी जाती है कि जानवरों को हरा चारा सूखे चारे में मिलाकर दिया जाए, नहीं तो जानवरों को टिम्पटी बीमारी हो सकती है जिससे जानवरों की मौत हो जाती है। |
| गाय | जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, सूखी घास, धान का बचा हुआ हिस्सा (पुआल) वगैरह जिनका इस्तेमाल जानवरों के चारे के तौर पर नहीं होता है, उन्हें जानवरों के शेड में बिस्तर के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। दरवाज़े और खिड़कियों को ठीक से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा जानवरों के शेड में न घुस सके। जानवरों के बैठने की जगह समतल होनी चाहिए। सलाह दी जाती है कि जानवरों को हरा चारा सूखे चारे में मिलाकर दिया जाए, नहीं तो जानवरों को टिम्पटी बीमारी हो सकती है जिससे जानवरों की मौत हो जाती है। |

### मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

| |
|---|
| कोई खास असर नहीं पड़ेगा क्योंकि कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। |

### प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

| |
|---|
| कोई सलाह जारी नहीं की गई है क्योंकि कोई चेतावनी नहीं दी गई है। |

**Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.**

**Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/**

**Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details**

**Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details**